हरिभूमि
सरगुजा-कोरिया भूमि
बिलासपुर, बुधवार, 3 जून 2026
अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

तापमान
अधिकतम 34 डिग्री
न्यूनतम 21 डिग्री

4
सड़क निर्माण के बाद पेयजल के लिए तरस रहे ग्रामीण

खबर संक्षेप

(अंबिकापुर) प्रवेश प्रारंभ (अंबिकापुर)
प्रतिमाह मात्र 999/- में आई.टी.आई.
न्यू महाराणा I.T.I.
ट्रेड-इलेक्ट्रिशियन, कोपा, फिटर, डीजल मैकेनिक
योग्यता-10वीं पास (साइंस, गणित अनिवार्य)
स्थान सीमित
नोट: अतिशीघ्र संस्था आकर नाम पंजीयन करायें।
प्राचार्य: माखन विहार के बाजू में (कन्या परिसर रोड) अजरिमा अंबिकापुर
मो. 9203914565, 9713310420, 9203914561

वाड्रफनगर एवं कंजिया में सुशासन तिहार शिविर आज

अम्बिकापुर। शासन की मंशानुरूप जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार अंतर्गत 3 जून को नगर पंचायत वाड्रफनगर एवं विकासखण्ड कुसमी के ग्राम कंजिया में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में पहुंचकर आम नागरिक अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर समाधान करा सकेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

नपं लखनपुर में कृषि आउटरीच कार्यक्रम 6 को

अम्बिकापुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन 6 जून को नगर पंचायत लखनपुर के सामुदायिक भवन में किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों एवं कृषक समूहों को आधुनिक कृषि तकनीकों, ऋण एवं बैंकिंग सुविधाओं, सरकारी योजनाओं तथा कृषि आधारित उद्यमों के बारे में जानकारी एवं ऋण प्रदान करना है। कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य महिला समूहों को ऋण प्रदान करना है, ताकि वे कृषि एवं कृषि-आधारित उद्यमों में आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में कृषि ऋण सुविधा एवं महिला समूह ऋण विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जिले के कृषकों एवं महिला समूहों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठाने कहा है।

पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

अम्बिकापुर। बसंतपुर थाना अंतर्गत फूली डूमर चौक के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान श्यामलाल निवासी तारकेश्वरपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे में बाइक सवार युवक पिकअप में फंस गया तथा पिकअप चालक के टक्कर के बाद युवक को करीब 15 मीटर तक घसीटता रहा। गंभीर चोटों के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर बसंतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में शामिल पिकअप वाड्रफनगर से सब्जियां लोडकर बनारस की ओर जा रहा था। पुलिस ने दुर्घटनाकारी वाहन को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है वहीं गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बाइक से गिरी महिला की उपचार के दौरान मौत

अम्बिकापुर। बाइक के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिरने से गंभीर हुई महिला की उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। महिला अस्पताल से प्लास्टर कटवा कर परिचित के साथ बाइक से घर आ रही थी। रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम बकना निवासी दशमतिया पति शिव पाल (53 वर्ष) गत दिन हाथ में चोट लगने से लगाए गए प्लास्टर को कटवाने ग्राम अगस्तपुर निवासी राम कुमार के साथ बाइक से अस्पताल गई थी। प्लास्टर कटवाने के पश्चात दोनों बाइक से घर आ रहे थे।

बांसबाड़ी की 40 हेक्टेयर भूमि होगी शामिल

बदलेगा संजय गार्डन का स्वरूप, विभाग ने लिया चिड़ियाघर एवं रेस्क्यू सेंटर बनाने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

आने वाले समय में संजय वन वाटिका बदले स्वरूप में नजर आ सकती है। वन विभाग अब संजय वन वाटिका के साथ ही बांसबाड़ी के बड़े वन क्षेत्र में विशाल चिड़ियाघर के साथ ही हर उम्र के लोगों के लिए घूमने-टहलने के साथ ही मनोरंजन के विभिन्न साधन विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है।

खास बात
- वाटिका के वन्य जीवों को टाइगर रिजर्व में छोड़ने की तैयारी

सूखा-राहत मद से वर्ष 1985-86 में विस्तारित संजय वन वाटिका शहर सहित पूरे संभाग के लोगों के मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बन गया था। वनों से भटककर आबादी क्षेत्र के निकट पहुंचने वाले घायल वन्य जीवों को वाटिका में रखा जाता था। नियमानुसार घायल वन्य जीवों को स्वस्थ होने के बाद उन्हें तत्काल उनके प्राकृतिक रहवास क्षेत्र में छोड़ना था लेकिन वन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया जिससे हिरण के विभिन्न प्रजातियों का बड़ा कुनबा तैयार हो गया। बीच-बीच में हिरणों को विभिन्न जंगलों में छोड़ा भी गया लेकिन इनकी संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। 21 मार्च की रात कुत्तों के हमले में 15 हिरणों की मौत होने पर हंगामा खड़ा हो गया था साथ ही विभाग पर चिड़ियाघर प्राधिकरण की अनुमति लिए बिना वन्य जीवों को वाटिका में रखने पर सवाल उठे थे। इस घटना से वाटिका में संचालित रेस्क्यू सेंटर की वैद्यता पर भी सवाल उठे थे। इस घटना के बाद विभाग ने घायल वन्य जीवों को वाटिका में रखना बंद कर दिया है। काफी चिंतन-मनन के बाद विभाग ने बांसबाड़ी के 40 हेक्टेयर वन आच्छादित भूमि को भी संजय वन वाटिका में शामिल करने एवं विधि मान्य चिड़ियाघर के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। विभाग ने इसका विस्तृत डीपीआर तैयार करने के लिए सलाहकार नियुक्त करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा विस्तृत भू-भाग में चिड़ियाघर विकसित करने के साथ ही रेस्क्यू सेंटर, हर उम्र के लोगों के लिए मनोरंजन के साधन विकसित करने के साथ ही लोगों के सुबह-शाम घूमने-टहलने एवं व्यापक साधन विकसित करने का निर्णय लिया है हालांकि यह बहुत आसान काम नहीं है। इसके लिए विभाग को चिड़ियाघर प्राधिकरण की अनुमति लेने के साथ ही भारी भरकम राशि की भी जरूरत पड़ेगी।

नशेड़ियों का अड्डा बना बांसबाड़ी

शहर के बीच मुख्य मार्ग के किनारे स्थित संजय वन वाटिका एवं बांसबाड़ी का क्षेत्र संरक्षित जंगल का क्षेत्र है। 40 हेक्टेयर में विस्तारित बांस बाड़ी पिछले एक दशक से नशेड़ियों एवं असामाजिक तत्वों का सुरक्षित ठिकाना बन गया है। सुबह होते ही बांस बाड़ी में नशेड़ियों का जमावड़ा लगने लगता है। असामाजिक तत्व भी बाड़ी में देर रात तक सक्रिय रहते हैं। वन अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्व में बांसबाड़ी के रास्ते अपने कॉलोनी स्थित आवास से आवागमन करते थे। आसपास के लोग भी पास की सड़क से आवागमन करते हैं। कई बार विवाद होने एवं हमले की स्थिति निर्मित होने के बाद लोग बांसबाड़ी में घुसना बंद नहीं करते। बांसबाड़ी को लोकोपयोगी बनाने एवं स्वरूप बदलने से यह पूरी तरह से सुरक्षित हो जाएगा विभाग के लिए भी यह आय का अच्छा स्रोत एवं शहर सहित सरगुजा संभाग के लोगों के लिए स्वच्छ मनोरंजन का साधन विकसित हो सकता है। शहर के बीच प्राकृतिक वन को संरक्षित रखने में भी यह पहल कारगर साबित होगी।

टाइगर रिजर्व में छोड़े जाएंगे वन्यजीव

वर्तमान में संजय वनवाटिका में 16 चीतल, 2 कोटरी एवं 2 नीलगाय रह रहे हैं। विभाग ने इन सभी 20 वन्य जीवों को गुरूघासी दास टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक रहवास क्षेत्र में छोड़ने की अनुमति दी है। इसके लिए वन्य जीवों का अलग-अलग बाड़ा तैयार किया जा रहा है। बाड़ा बनने के बाद चिकित्सकों की टीम इनका स्वास्थ्य परीक्षण करेगी। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद अन्य औपचारिकताएं पूरी कर सभी वन्य जीवों को गुरूघासीदास टाइगर रिजर्व में छोड़ने की तैयारी है। वन अधिकारी बरसात शुरू होने के पूर्व सभी वन्यजीवों को टाइगर रिजर्व में छोड़ने की बात कह रहे हैं।

उपलब्ध है पर्याप्त वनभूमि

शहर में पर्याप्त वनभूमि उपलब्ध होने एवं वनभूमि को अवैध अतिक्रमण से बचाने के उद्देश्य से लम्बे समय से संभाग मुख्यालय में चिड़ियाघर एवं तितली पार्क बनाने की मांग उठ रही है। कुछ सालों पूर्व वन अधिकारियों ने इसकी पहल भी प्रारंभ की थी लेकिन बात आगे नहीं बढ़ सकी। महामाया पहाड़ी पर पर्याप्त वनभूमि उपलब्ध है। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वनविभाग द्वारा यहां ऑक्सीजन पार्क सहित अन्य कई निर्माण किए गए हैं लेकिन ये निर्माण पर्यटकों को लुभाने में सफल नहीं हो सके। वन अधिकारी इसके स्वरूप को बदलने के लिए बीच-बीच में अन्यन्य योजनाएं भी बनाए लेकिन ये योजनाएं आकार नहीं ले सकी।

भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री ने उठाई थी मांग

भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री एवं तत्कालीन वनौषधि बोर्ड के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह के प्रवास के दौरान पहली बार संभाग मुख्यालय में चिड़ियाघर स्थापित करने की मांग उठाई थी। इस दौरान उन्होंने जंगल से भटककर आबादी क्षेत्र में पहुंचने वाले वन्य जीवों के घायल होने एवं घायल वन्यजीवों का चिड़ियाघर में अच्छी तरह ईलाज की सुविधा मिलने के संबंध में भी चर्चा की थी। पूर्व सीएम डॉ.रमन सिंह ने इस संबंध में गंभीरता से विचार करने का भी आश्वासन दिया था लेकिन बात आगे नहीं बढ़ सकी।

बनाया जाएगा डीपीआर

विभाग द्वारा बांसबाड़ी का सर्वे किया गया है। संजय वन वाटिका एवं बांसबाड़ी क्षेत्र को चिड़ियाघर एवं रेस्क्यू सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इससे लोगों को वन्यजीवों के संरक्षण के संबंध में जागरूक करने के साथ ही बहुत चीजें सीखने को मिलेंगी। अन्य संसाधन भी विकसित करने की योजना है। इसके लिए विस्तृत डीपीआर तैयार किया जाएगा। वाटिका के वन्यजीवों को शीघ्र ही टाइगर रिजर्व में छोड़ा जाएगा।

-अभिषेक जोगावत
डीएफओ, सरगुजा

जहरीली शराब से युवक की पुणे में हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीतापुर

गांव से पलायन कर रोजगार की तलाश में पुणे गए 35 वर्षीय युवक की जहरीली शराब पीने से मौत हो।जवान बेटे की मौत की खबर सुनते ही सदमे में आकर माँ ने भी दम तोड़ दिया। एक साथ हुई दो मौतों से गांव में मातम छा गया।

जानकारी अनुसार ग्राम उलकिया निवासी राजेंद्र टोप्पो आ. सुबन (35 वर्ष) की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। राजेंद्र का परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर था। सालों पहले पिता की मौत के बाद घर की सारी जिम्मेदारी राजेंद्र के कंधों पर था। गांव में रहकर घर की जिम्मेदारी निभाना मुश्किल हो रहा था तो पत्नी एवं दो साल के बेटे के साथ छह महीने पहले गांव से पलायन कर रोजगार की तलाश में पुणे चला गया था।जहां पति पत्नी दोनों मजदूरी करते हुए गुजर बसर कर रहे थे। विगत छह महीने से पुणे में रहकर मजदूरी कर रहे राजेंद्र के जीवन मे सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन 26, 27 मई को जहरीली शराब उसके जीवन में काल बनकर आई और सब कुछ तबाह हो गया। जहरीली शराब से राजेंद्र की पांच दिन पहले पुणे में मौत हो गई। घटना के बाद राजेंद्र जहां काम करता था उनके सहयोग से उसका शव एम्बुलेंस के माध्यम से उसके गृह ग्राम उलकिया भेजा गया। जैसे ही राजेंद्र का शव उसके गृहग्राम उलकिया पहुंचा उसकी 55 वर्षीय मां सुखमनिया की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि राजेंद्र की मां की तबियत खराब रहती थी।जैसे ही उसने अपने जवान बेटे की मौत की खबर सुनी उसने भी दम तोड़ दिया। मां बेटे की मौत असमय मौत से गांव में मातम छा गया। घरवालों ने बड़े गमगीन माहौल में दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया।जहरीली शराब की चपेट में आकर राजेंद्र की मौत के बाद पूरा परिवार बिखर गया। इस हादसे के बाद पत्नी एवं दो साल का मासूम बच्चा बेसहारा हो गए।

गरीबी बनी पलायन की वजह

गरीबी एवं गांव में रोजगार का अभाव की वजह से राजेंद्र परिवार समेत पलायन को मजबूर हुआ। दशकों पहले गांव से पलायन रोकने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा मनरेगा योजना शुरू की गई थी। ताकि लोगों को गांव में रोजगार मुहैया कराते हुए पलायन पर रोक लगाई जा सके। किंतु मनरेगा योजना के तहत गांवों में चलने वाले निर्माण कार्य ठप पड़े हुए है। जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभाव हो गया और भारी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से लोग दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए पलायन कर रहे है।

कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रॉन्ग रूम में कैद प्रत्याशियों की किस्मत, 4 जून को होगी मतगणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिश्रामपुर

नगर पंचायत शिवनन्दनपुर के प्रथम आम निर्वाचन का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद अब पूरे क्षेत्र की निगाहें 4 जून को होने वाली मतगणना पर टिकी हुई हैं। मतदान समाप्त होते ही चुनावी थम गया, ले कि न प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के मन के भीतर बेचैनी बढ़ी हुई है, नगर पंचायत शिवनन्दनपुर क्षेत्र की मुख्य चौक चौराहों, मेन मार्केट, चाय-पान की दुकानों और सार्वजनिक स्थलों पर चुनावी गणित को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।भाजपा- कांग्रेस सहित प्रत्याशी समर्थक अपनी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं।

- राजनीति दलों के प्रतिनिधि भी स्ट्रॉन्ग रूम की कर रहे निगरानी
- भाजपा-कांग्रेस के कार्यकर्ता जीत हार को लेकर कर रहे अपने अपने दावे

गौरतलब है कि नगर पंचायत शिवनन्दनपुर में कुल 4,642 मतदाताओं में से 3,952 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह लगभग 85.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है, इसमें बुजुर्गों, महिलाओं ने भी उत्साह के साथ हिस्सा लिया,मतदाताओं ने अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे 3 प्रत्याशियों तथा 15 वार्डों के 52 पार्षद प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य को ईवीएम में कैद कर दिया है। मतदान के बाद सभी ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आजाक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिश्रामपुर स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। यहां चौबीस घंटे सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की गई है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, वहीं विभिन्न प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी स्ट्रांग रूम की निगरानी पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता बूथवार आंकड़ों का विश्लेषण कर अपनी-अपनी जीत के समीकरण तलाशने में जुटे हैं। नगर पंचायत चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है।

वार्डवार की जा रही समीक्षा, उपाध्यक्ष पद के लिए भी की जा रही अंदरूनी तैयारी

मतदान के बाद अब दोनों दलों द्वारा वार्डवार समीक्षा की जा रही है कि किस दल के कितने पार्षद जीतकर आ रहे हैं।यही से उपाध्यक्ष पद के लिए भी अंदरूनी तैयारी शुरू हो गई है। नगर पंचायत के कुल 15 वार्डों में वार्ड क्रमांक 3, 8,11,12, 13,15 के नतीजों पर सबकी नजरें टिकी हुई है।सबसे हाई प्रोफाइल चर्चित वार्ड क्रमांक 3 कांग्रेस के कद्दावर वरिष्ठ नेता सुभाष गोयल के पुत्र अंशुल गोयल चुनाव लड़ रहे हैं,यहां उनका मुकाबला हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राजेश जैन से है, गौरतलब है कि राजेश जैन भूपेश सरकार के समय सूरजपुर स्पोर्ट्स सेल के जिला अध्यक्ष पद पर आसीन थे।वार्ड क्रमांक 3 में मात्र 239 के करीब वोटर्स हैं जिसमें 219 मतदान हुए हैं,इस वार्ड के पार्षद चुनाव में दोनों पक्षों की तरफ से वोटरों को लुभाने के लिए कई लाख रुपये खर्च किये जाने की चर्चा है, क्रमांक 8 पर भी लोगों की नजर इसलिए है कि यहां पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह ने कांग्रेस प्रत्याशी हर्ष दनौदिया के पक्ष में वार्ड में जनसंपर्क किया था,गौरतलब है कि हर्ष दनौदिया रमेश दनौदिया के भतीजे हैं जो पैलेस गुट के करीबी माने जाते हैं,इस वार्ड में सीधा मुकाबला भाजपा प्रत्याशी व उनके पड़ोसी अमित मित्तल से हुआ है, वहीं वार्ड क्रमांक 11 में कांग्रेस प्रत्याशी चन्दन सिंह के लिए पार्टी के दिग्गज नेताओं ने वार्ड भ्रमण कर जनसमर्थन जुटाया था,यहां जोगी कांग्रेस के युवा तेज तर्रार नेता कुंदन विश्वकर्मा निर्दलीय मैदान में उतरकर कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ाई हैं,इस वार्ड में कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच यहां सीधा मुकाबला हूआ है,एक और हाई प्रोफाइल वार्ड नंबर 15 से भाजपा नेता अशोक अग्रवाल सोक्की के पुत्र प्रशांत अग्रवाल एवं स्व. विद्याचरण शुक्ल समर्थक दिवंगत कांग्रेसी नेता जयदेव अग्रवाल के छोटे पुत्र सन्नी अग्रवाल के बीच कड़ा मुकाबला हूआ है।इस वार्ड में भाजपा को भीतरघात होने का डर सता रहा है,वार्ड नंबर 12 से भाजपा प्रत्याशी मनी बग्गा एवं निर्दलीय प्रत्याशी दीपक सोनी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली है, गौरतलब है कि मनी बग्गा भटगांव विधायक व केबिनेट मंत्री के करीबी कार्यकर्ताओं में से जाने जाते हैं,इन्हीं वार्डों से जीते प्रत्याशी आगामी दिनों में नगर पंचायत के उपाध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे है।

कनकपुर के तालाब में जलक्रीड़ा करते हाथियों का वीडियो वायरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रामानुजगंज

वन परिक्षेत्र रामानुजगंज के कनकपुर बीट अंतर्गत 22 हाथियों का बड़ा दल लगातार विचरण कर रहा है। 30 मई को हाथी झारखण्ड की ओर से क्षेत्र में पहुंचे थे तथा वर्तमान में कनकपुर जंगल के कक्ष क्रमांक 3445 के आसपास सक्रिय है।

हाथियों के दल में 7 नर, 10 मादा एवं 5 शावक हैं। वन अधिकारी हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए इनके चिनिया, महावीरगंज, शिवपुर, रामपुर, कनकपुर, लुरगी, टकिया के रास्ते झारखण्ड की ओर जाने की संभावना जता रहे हैं। इसी बीच कनकपुर सड़क पर हाथियों के दल के गुजरने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में हाथी शांतिपूर्वक सड़क पार करते दिखाई दे रहे है। गांव के तालाब में हाथियों के जलक्रीडा करने का वीडियो भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वन अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में हाथियों द्वारा किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली है। एहतियात के तौर पर 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले ग्राम चिनिया, महावीरगंज, शिवपुर, रामपुर, कनकपुर, लुरगी एवं टकिया के ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वनपाल दयाशंकर के नेतृत्व में हाथी मित्र दल द्वारा हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग ग्रामीणों और राहगीरों को हाथियों से दूर रहने एवं वीडियों नहीं बनाने का आह्वान किया।

आंधी ने मचाई तबाही, जगह-जगह उखड़े पेड़

बिहारपुर। मंगलवार को अपराह्न 3 बजे आए आंधी-तूफान में ग्राम पंचायत उमझर अंतर्गत ग्राम जुड़वनिया में भारी तबाही मचाई है। आंधी से गांव में कई पेड़ उखड़ गए हैं वहीं कई घरों के छप्पर उड़ गए हैं। इस दौरान क्षेत्र में जमकर बारिश हुई है।

मंगलवार को अपराह्न में अचानक मौसम बदला तथा गरज-चमक के साथ तेज रफ्तार आंधी चली। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी जगह-जगह पेड़ उखड़ गए तथा पेड़ों की डालियां टूट गई। आंधी का सर्वाधिक प्रभाव ग्राम जुड़वनिया में देखा गया। आंधी में कई घरों के खपरे एवं सीमेंट शीट के छप्पर उड़ गए हैं वहीं कई ग्रामीणों के घर के छप्पर उजड़ गए हैं। ग्राम के सूरज बहादुर पिता रामकरन खैरवार एवं हीरालाल पिता कायरा खैरवार के घरों को आंधी से काफी नुकसान हुआ है।

सीएम एवं पर्यटन मंत्री के निर्देश पर कलेक्टर ने दी नवीन भवनों की स्वीकृति

सरगुजा के 59 विद्यालयों का होगा कायाकल्प, बनेंगे नए भवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के 59 भवन विहीन विद्यालयों के लिए नवीन भवनों की स्वीकृति प्रदान की है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षकों की नियमित उपलब्धता, सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर प्रदान करने तथा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने डीएमएफ अंतर्गत 25, समग्र शिक्षा अंतर्गत 20 एवं स्कूल शिक्षा विभाग से 14 नवीन भवनों की स्वीकृति दी है। डी.एम.एफ. मद से उदयपुर में 4, लखनपुर में 6 तथा मैनपाट में 15 विद्यालयों सहित कुल 25 विद्यालयों की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें विकासखण्ड उदयपुर के प्राथमिक शाला कुडेली एवं साल्ही तथा माध्यमिक शाला जजगी एवं मतरेंगा शामिल हैं। इसी प्रकार विकासखंड लखनपुर में प्राथमिक शाला मुकुन्दपुर, उरांवपारा, लेदराडांड, पटकुरा तथा माध्यमिक शाला मांजा एवं पर्री शामिल है। वहीं विकासखंड मैनपाट में प्राथमिक शाला कोटछाल, ढोढ़ाडीह, मेछारवना, चैनपुर, रंगुवापारा, बैगापारा तथा माध्यमिक शाला भेलतराई, ढकनापारा, कदनई, रोपाखार, मालतीपुर, बरिमा, महारानीपुर, समनिया, उडूमकेला शामिल है। इसी तरह समग्र शिक्षा मद अंतर्गत लुंड्रा विकासखंड के 11 विद्यालय, बतौली विकासखंड के 4 विद्यालय तथा सीतापुर विकासखंड के 5 विद्यालय सहित कुल 20 विद्यालय भवन स्वीकृत किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग से 4 प्राथमिक शालाएँ एवं 10 माध्यमिक शालाएँ भी स्वीकृत की गई हैं जिसमें विकासखण्ड अम्बिकापुर अन्तर्गत प्राथमिक शाला जगदीशपुर तथा माध्यमिक शाला नवपाराकला, नवानगर, केदारपुर शामिल है। कलेक्टर अजीत वसंत ने संबंधित निर्माण एजेंसियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करते हुए निर्धारित छह माह की समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। विद्यालयों के निर्माण हेतु ग्राम पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया है।नवीन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर एवं सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण मिलेगा तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ प्राप्त होगा।

कुएं में डूबने से 5 वर्षीया मासूम बच्ची की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजपुर

ग्राम खोडरो में सोमवार शाम 5 वर्षीय मासूम बच्ची की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

- गांव में पसरा मातम

जानकारी के अनुसार ग्राम खोडरो निवासी आरोही आ. शिव मंगल (5 वर्ष) सोमवार की शाम करीब 4 बजे गांव के अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए घर से निकली थी। खेलते-खेलते वह खेत स्थित एक कुएं के पास पहुंच गई। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कुएं में जा गिरी। कुएं में पानी अधिक होने के कारण बच्ची बाहर नहीं निकल सकी और डूब गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर बच्ची के साथ मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी तत्काल उसके परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार जिस कुएं में बच्ची गिरी वह नरेंद्र का बताया जा रहा है। यह कुआं बच्ची के घर से लगभग 700 मीटर दूर खेत में स्थित है। पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

खबर संक्षेप

सूखे पेड़ से हादसे का अंदेशा

बैकुण्ठपुर। शहर के वार्ड क्रमांक 4 कचहरीपारा में एक सूखे पीपल के पेड़ जो कि आवास परिसर पर स्थित है, उसे रहवासियों की सुरक्षा की दृष्टि से काट कर सुरक्षित करने की जरूरत है। इस समस्या को लेकर कचहरीपारा निवासी अकबर अली ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैकुंठपुर को आवेदन देकर बताया कि उसके मकान के बाहर एक पुराना सूखा पीपल का पेड़ हैं, जिसका डंगाल टूट कर गिरता रहता है, इससे कभी भी गंभीर हादस हो सकता है, इसे काटने की अनुमति की मांग की गई। इस मामले को लेकर सुशासन तिहार के तहत आयोजित जन शिकायत निवारण शिविर में भी आवेदन दिया गया है।

मानसून पूर्व विद्युत विभाग का मेंटेनेंस कार्य शुरू

बैकुण्ठपुर। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मंगलवार को शहर में मेंटेनेंस का कार्य शुरू किया गया था, इसके चलते शहर के बड़े क्षेत्र में विद्युत की घोषित कटौती रही। इस दिन सुबह पूर्व निर्धारित समय से करीब एक घंटा देरी से विद्युत कटौती की गई। इसके बाद मेंटेनेंस का कार्य शुरू किया गया जो घंटों चला। इस दौरान विद्युत कर्मियों द्वारा विद्युत तार से लगे पेड़ों के डंगाल की कटाई छंटाई का कार्य किया जाता रहा और अन्य जरूरी कार्य को किया गया। जानकारी के अनुसार शहर स्कूलपारा, बस स्टैंड आदि क्षेत्रों में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा घोषित कटौती कर मेंटेनेंस का कार्य किया गया, इससे लोगों को दिनभर इस दिन गर्मी से बेहाल होना पड़ा। हालांकि इस दिन दोपहर बाद मौसम में बदलाव के कारण आसमान में बादल छा गए, इसके चलते तेज धूप से थोड़ी राहत मिल गई थी। उल्लेखनीय है कि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बरसात के पूर्व मेंटेनेंस का कार्य किया जाता है, इसके लिए विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में विद्युत कटौती कर मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा है।

350 किलो गांजा और दो वाहन जब्त

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जयसिंहनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 350.500 किलोग्राम गांजा, दो चार पहिया वाहन और दो मोबाइल फोन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जयसिंहनगर थाना पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए काफी मात्रा में गांजा बरामद किया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत लाखों रूपए में बताई जा रही है।

गाज की चपेट में आने से महिला की मौत

बैकुंठपुर। एमसीबी जिले के वनांचल जनकपुर क्षेत्र में मंगलवार को मनरेगा योजना में काम कर रही महिला मजदूर आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। इस घटना में एक महिला मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं 5 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए जिनका उपचार अस्पताल में भर्ती कर किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो हास्पिटल पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमसीबी जिले के वनांचल जनकपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चरखर में मनरेगा के तहत बोल्डर चेकडेम का कार्य चल रहा है, इसमें 2 जून को महिला मजदूर काम पर लगी थी।

दो महिने से भुगतान नहीं, महंगाई में घर चलाना हो रहा मुश्किल

आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के अनियमित कर्मियों को बीते दो माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, इसके चलते नपा कर्मियों को आर्थिक तंगी के दौर से गुजरना पड़ रहा है। आगामी अब स्कूल भी खुलने वाले हैं, ऐसे में बकाया वेतन भुगतान नहीं होता है तो नपा कर्मियों को और अधिक आर्थिक बोझ तले दबने को मजबूर होना पडेगा। महंगाई के इस दौर में अभी दो माह से वेतन भुगतान नहीं होने से उधार से परिवार की गाड़ी चलानी पड़ रही है, इसके चले नपा कर्मी आर्थिक के साथ मानसिक परेशानी भी झेल रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के दर्जनों कर्मियों को माह अप्रैल-मई का वेतन भुगतान नहीं हुआ है और अब जून आ गया। मिली जानकारी के अनुसार नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के बाद अब तक नपा कर्मियों के वेतन भुगतान के लिए रुपए का कलेक्शन नहीं हो पाया है, इसके चलते दर्जनों नपा कर्मियों को दो माह से वेतन भुगतान नहीं हो सका है। लगातार दो माह से वेतन नहीं मिलने से घर का बजट बिगड़ गया है और घर चलाने के लिए उधार लेकर काम चलाया जा रहा है। इस स्थिति में नपा कर्मी गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे है साथ ही मानसिक रूप से भी परेशान हैं। घर परिवार की जरूरत प्रतिदिन की है, वेतन दो माह से नहीं मिलने के कारण घर के खर्चे पर कटौती कर किसी तरह घर चलाना पड़ रहा है, इसके बावजूद अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेकर काम चलाया जा रहा है, इसके चलते मानसिक रूप से भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बिना वेतन पाए भी ईमानदारी से ड्यूटी

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर में दर्जनों की संख्या में स्वच्छता दीदियां है और पुरूष सफाई कर्मी भी है, जिन्हें भी दो माह से वेतन भुतान नहीं हुआ है बावजूद इसके सफाई कर्मी अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार है और प्रतिदिन सुबह होने के साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए जुट जाते हैं, इसके अलवा अन्य कर्मी भी अपने काम के प्रति दो माह से वेतन न मिलने के बावजूद अपने कर्तव्यों को पूरा कर रहे हैं।

जल्द बकाया वेतन जारी करने की मांग

नपा के अनिमित कर्मियों ने नपा प्रशासन से जल्द वेतन भुगतान कराने की मांग की। कुछ कर्मियों ने कहा कि अक्सर उन्हें समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जाता। एक तो अल्प वेतन मिलता है वह भी समय पर नहीं मिलता। दो माह तीन माह होने के बाद वेतन का भुगतान होता है, इसके बाद भी हम अपनी ड्यूटी बराबर करते हैं।

काम पर लापरवाही नहीं

नपा कर्मियों की उपस्थिति ऑनलाईन दर्ज होती है,इसके चलते सभी कर्मी समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और अपने काम पर जुट जाते हैं। नपा कर्मियों का कहना है कि वे काम के प्रति लापरवाही नहीं बरतते समय पर उपस्थिति दर्ज कर अपने काम में जुट जाते हैं, इसके बावजूद समय पर वेतन न मिलने की समस्या उनकी पुरानी है, इससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।

शीघ्र भुगतान हो जाएगा

सभी कर्मियों का भुगतान जल्द हो जाएगा। हमारी नपा की टीम लगी हुई है।

-तरुण एक्का, सीएमओ
नपा बैकुंठपुर

तेज गर्मी से मिली थोड़ी राहत पर उमस से नहीं, नौतपा खत्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

■ तापमान में दर्ज की गई गिरावट

नौतपा के अंतिम दिन 2 जून को राहत भरा मौसम रहा और इसके साथ ही नौ दिनों तक चलने वाला नौतपा समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि नौतपा के पांचवे दिन से जिले में बादल बारिश के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई तो फिर लगातार अंतिम दिनों तक तापमान में गिरावट दर्ज होती रही। इस दौरान करीब 9 डिग्री अधिकतम तापमान में गिरावट हुई। जानकारी के अनुसार नौतपा के अंतिम दिन 2 जून को अधिकतम तापमान 34 तथा न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहा, जबकि नौतपा के शुरूआवती दौर में अधिकतम तापमान 43 डिग्री छू गया था, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि इस वर्ष नौतपा में खूब धरा तपेगी, लेकिन मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण इस दौरान आंधी, बादल बारिश का दौर शुरू हो गया, इसके चलते नौतपा में जिस तरह की तपिश होनी चाहिए इस वर्ष नहीं हो पाई। माना जाता है कि जिस वर्ष नौतपा में धरती खूब तपती है, उस वर्ष अच्छी बारिश भी होती है, लेकिन इस वर्ष ऐसा नहीं हुआ इसका असर आगामी मानसून में देखने को मिलेगा। तेज गर्मी का समय नौतपा समाप्त हो गया। नौतपा के अंतिम दिन दोपहर में धूप खिली रही और अपरान्ह होने के बाद आसमान में बादल छा गए, इससे तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

हल्की बारिश से बदला मौसम, गर्मी से मिली राहत

सोनहत। मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों में सोमवार 2 जून की दोपहर बाद हुई हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद देर शाम तक ठंडी हवाओं के चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत महसूस हुई।

सुबह से तेज धूप और उमस के कारण लोग परेशान रहे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छाने लगे और मौसम का मिजाज बदल गया। हालांकि मुख्यालय में हल्की बारिश ही हुई, लेकिन दूरस्थ ग्राम तंजरा, बेलिया, पलारीडांड सहित अन्य क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब खेती-किसानी पर भी दिखाई देने लगा है। किसान खेत-खलिहानों की तैयारियों में जुट गए हैं। किसानों के अनुसार बारिश पूर्व खेतों में गोबर खाद डालने एवं अन्य कृषि कार्यों का प्रबंधन शुरू कर दिया गया है।

एचएमएस यूनियन ने दी पूर्व जीएम झा को भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

एचएमएस यूनियन द्वारा कटकोना कालरी स्थित गेस्ट हाउस में मुख्य महाप्रबंधक बैकुंठपुर बीएन झा को भावभीनी विदाई एवं नवागत महाप्रबंधक नरेश प्रसाद का भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बैकुंठपुर क्षेत्र के अधिकारियों, यूनियन पदाधिकारियों सहित काफी संख्या में कर्मचारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सब एरिया मैनेजर कटकोना, सब एरिया मैनेजर चरचा, स्टाफ ऑफिसर बैकुंठपुर, खान प्रबंधक चरचा, खान प्रबंधक कटकोना, डॉ.विराजी सहित एचएमएस यूनियन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों के ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत से हुई। इसके पश्चात माला एवं महामाला पहनाकर दोनों अतिथियों का गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम में एरिया अध्यक्ष हरि यादव, एरिया महामंत्री योगेन्द्र मिश्रा, दिनेश शर्मा, अजय सिंह, सुरेश कुशवाहा, ज्ञानेन्द्र पांडे, राजेश अग्निहोत्री, रमेश जायसवाल, विजय यादव, डोरीलाल साहू, अशोक निर्मलकर, अनूप कुमार सहित अन्य सदस्यों ने माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। स्वागत भाषण एरिया महामंत्री योगेन्द्र मिश्रा ने दिया। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक बीएन झा ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्हें एचएमएस श्रमिक संगठन सहित सभी यूनियनों का भरपूर सहयोग मिला, इसके कारण एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र की इकाइयों में श्रमिक कॉलोनियों की साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था जैसे कई कार्य सफलतापूर्वक कराए जा सके।

उन्होंने कहा कि अभी कई कार्य प्रक्रियाधीन हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि नए महाप्रबंधक को भी सभी कासहयोग मिलेगा, जिससे विकास कार्यों एवं उत्पादन में तेजी आएगी। क्षेत्रीय अध्यक्ष हरि यादव ने कहा कि यूनियन का सहयोग पहले भी प्रबंधन के साथ रहा है और आगे भी निरंतर बना रहेगा। वहीं नवागत महाप्रबंधक नरेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों एवं यूनियन के सहयोग से निश्चित रूप से उत्पादन में वृद्धि होगी तथा कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

जनहित के मुद्दों को लेकर कलेक्टर से मिलीं सभापति

बैकुण्ठपुर। जनपद पंचायत बैकुंठपुर की सभापति श्रीमती धर्मवती राजवाड़े ने क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कलेक्टर से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र की प्रमुख मांगों एवं विकास कार्यों को शीघ्र गति देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान भाजपा की उपाध्यक्ष अनीता तिवाती रामपुर पंचायत की स्कूलों की मरम्मत के लिए अपनी बात को रखी। सभापति श्रीमती राजवाड़े ने सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत ग्राम पंचायत जूनापारा में लगभग 70 लाख रूपए की लागत से प्रस्तावित खेल मैदान के निर्माण के लिए शीघ्र स्वीकृति प्रदान किए जाने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि खेल मैदान के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं एवं खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित जूनापारा-सलका सड़क निर्माण परियोजना में तेजी लाने का आग्रह करते हुए ग्रामीणों की समस्याओं एवं अपेक्षाओं से कलेक्टर को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा विकास कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। कलेक्टर ने दोनों विषयों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

वैज्ञानिक पद्धति से कचरे के संग्रहण प्रसंस्करण एवं निपटान को मिले बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुण्ठपुर

जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता के लिए जिला प्रशासन और जिला पंचायत द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 के बारे में अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई।

नियमों के प्रभावी अनुश्रवण के लिए मॉनिटरिंग समिति का गठन किया गया है तथा सभी ग्राम पंचायतों एवं जनप्रतिनिधियों तक नियमों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। जानकारी के अनुसार एसडब्ल्यूएम नियम 2026 की प्रतियां जिले की सभी ग्राम पंचायतों, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के साथ-साथ जनपद पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गई हैं। इसके अलावा 16 मई को आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में नियमों का वाचन कर ग्रामीणों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रावधानों की जानकारी दी गई थी। एसडब्ल्यूएम नियम 2026 के तहत घर-घर स्तर पर कचरे का चार श्रेणियों- गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल श्रेणी में पृथक्करण अनिवार्य किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अधिकारियों से कहा कि नियमों के अनुसार खुले में कचरा फेंकने एवं जलाने पर प्रतिबंध रहेगा तथा वैज्ञानिक पद्धति से कचरे के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं निपटान को बढ़ावा मिले, जनजागरूकता के लिए सतत प्रयास हो। जिले में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों- कर्मचारियों के लिए जागरूकता एवं क्षमता विकास कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। आगामी सप्ताह में नगरीय निकायों के साथ संयुक्त कार्यशाला आयोजित कर नियमों के प्रावधानों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे कचरे का पृथक्करण, घरों में खाद निर्माण तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति व्यापक जागरूकता विकसित की जाएगी।

मोटरसाइकिल की डिक्की से दिनदहाड़े 50 हजार की चोरी

अनूपपुर। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में खड़ी एक मोटरसाइकिल की डिक्की तोड़कर अज्ञात चोर ने दिनदहाड़े 50 हजार रूपए नकद पार कर दिए। पूरी वारदात अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पाकरिहा, पंचायत कोठी निवासी 54 वर्षीय रामबहोर साहू अपनी बहू की डिलीवरी के लिए रविवार को परिवार सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिजुरी पहुंचे रहे। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद वे सेंट्रल बैंक, बिजुरी से 50 हजार रूपए निकालकर लौटे। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति लगातार उनका पीछा करता रहा। बैंक से रूपए निकालने के बाद रामबहोर ने काली मंदिर मार्ग स्थित किराना दुकान से सामान खरीदा तथा स्टेशन क्षेत्र के डेयरी फार्म से दूध लेने के बाद अस्पताल पहुंचे।

अस्पताल परिसर में डॉ. मनोज सिंह के शासकीय आवास के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर वे कुछ समय के लिए अन्य कार्य से चले गए। लौटने पर दोपहर 2 से 2:30 बजे के बीच डिक्की टूटी मिली और उसमें रखे 50 हजार रूपए गायब थे। चोरी गए सभी नोट 500 रूपए के थे।

टोनही प्रकरण में आरोपी को आजीवन कारावास

चिरमिरी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायालय बैकुंठपुर के विशेष न्यायाधीश आशीष पाठक ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए हत्या एवं टोनही प्रताड़ना के मामले में आरपी उमेश कुमार केंवट को दोषी ठहराकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायालय ने आरोपी पर अर्थदंड भी अधिरोपित किया है। प्रकरण के अनुसार 15 सितंबर 2022 की शाम लगभग 5:30 बजे मृतिका मृतिका कोलसिया उर्फ कौशल्या पंडो तालाब से नहाकर वापस घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में आरोपी उमेश कुमार केंवट ने उस पर पीछे से धारदार हथियार (जरकट्टी) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से मृतिका गिर पड़ी और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना पोंड़ी पुलिस ने जांच कर अपराध क्रमांक 144/2022 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 302, छग टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धारा 4 एवं 5 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 की धारा 3(2)(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 100 रूपए अर्थदंड, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धारा 4 के तहत एक वर्ष का कारावास, तथा धारा 5 के तहत दो वर्ष का कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक महेश कुमार शर्मा ने न्यायालय के समक्ष तर्क रखा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों पर होने वाले अत्याचारों को गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

14 गांवों के ग्रामीण पहुंचे, बांटे गए हितग्राहीमूलक सामग्री

सलका में महुआ पेड़ की छांव में लगा जनसमस्या निवारण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन तिहार के तहत कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव के मार्गदर्शन में बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सलका में महुआ पेड़ की छांव में खुले मैदान में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सलका, सलबा, भंडारपारा, अमरपुर, पोटेडांड, मनसुख, डोहडा, चिल्का, सरईगहना, मुड़ीझरिया, बस्ती, जामपारा, केनापारा व सागरपुर गांव के ग्रामीण काफी संख्या में शामिल हुए तथा विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के मुख्य अतिथि विधायक भईयालाल राजवाड़े ने ग्रामीणों से संवाद कर प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना तथा पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर ही प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। विधायक श्री राजवाड़े ने कहा कि ग्रामीणों और किसानों की छोटी-छोटी समस्याओं का भी प्राथमिकता के साथ शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने स्वयं अनेक आवेदकों से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं को समझा तथा संबंधित अधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत होकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्रामीणों को आश्वत किया कि प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व समय पर समाधान किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिविर स्थल पर गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए विधायक ने ग्रामीणों को शपथ दिलवाया। शिविर में हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, फूड बास्केट, आइस बॉक्स सहित विभिन्न हितग्राहीमूलक सामग्री वितरित की गई। वहीं दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण के रूप में छड़ियां प्रदान की गरइं। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को खुशियों की चाबी एवं अभिनंदन पत्र भी वितरित किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, जनपद सदस्य जगमनी टोप्पो, एसडीएम उमेश पटेल, ग्राम पंचायत दोहड़ा की सरपंच यशोदा, ग्राम पंचायत मनसुख की सरपंच दिलकुंवर, ग्राम पंचायत सलका के सरपंच दुर्गा सिंह, ग्राम पंचायत पोटेडांड की सरपंच दुर्गावती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पशु चोरी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनूपपुर। सिटी कोतवाली पुलिस ने पशु चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गए तीन बैलों को बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के पशुपालकों और किसानों ने राहत की सांस ली है।

■ पुलिस ने आरोपी से तीन बैलों को किया बरामद

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करहीवाह निवासी कृषक टीकम कोल उम्र 56 वर्ष ने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि बीती रात उनके घर के सामने बंधे तीन बैल, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 45 हजार रूपए हैं, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 303(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल आरोपी की तलाश शुरू की। सिटी कोतवाली पुलिस टीम ने रातभर सघन खोजबीन कर ग्राम ठेही, थाना जैतहरी निवासी भारत सिंह गोंड़ उम्र 25 वर्ष को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए तीनों बैल बरामद कर लिए गए।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय बायथल-ट्रायथल चैंपियनशिप में सरगुजा के 5 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

अंबिकापुर। मॉडर्न पेंटाथलॉन फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 15वीं एमपीएफआई बायथल-ट्रायथल राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में प्रदेश की टीम हिस्सा लेगी। यह प्रतियोगिता 31 मई से 4 जून तक गुजरात विद्यापीठ विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कुल 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिनमें से 5 खिलाड़ी सरगुजा जिले से हैं। चयनित खिलाड़ियों में अथर्व प्रताप सिंह, अभिषेक शर्मा, अथर्व सोनी, अभिनव केरकेट्टा एवं मयंक मेहता शामिल हैं। बायथल-ट्रायथल मॉडर्न पेंटाथलॉन खेल की एक लोकप्रिय विधा है, जिसमें खिलाड़ियों को शूटिंग, तैराकी एवं दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होता है। यह खेल शारीरिक क्षमता, एकाग्रता, सहनशक्ति और तकनीकी कौशल का बेहतरीन समन्वय माना जाता है। यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसे वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन ट्रायल के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। इस प्रतियोगिता के आधार पर खिलाड़ियों का चयन एएमपीसी बायथल-ट्रायथल एशियन चैंपियनशिप 2026 (दुबई, यूएई) तथा यूआईपीएम बायथल-ट्रायथल विश्व चैंपियनशिप 2026 (पुर्तगाल) के लिए किया जाएगा। सरगुजा जिले से पांच खिलाड़ियों के चयन पर सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ समेत अन्य संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडारण किसानों को नहीं होगी किसी प्रकार की कमी

सूरजपुर। खरीफ की खेती को सफल बनाने के लिए जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। किसानों को गुणवत्ता युक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उप संचालक कृषि ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में वर्तमान में खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसानों को किसी प्रकार की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के तहत रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरक, जैविक खाद और हरी खाद के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए कृषकों को संतुलित एवं समानुपातिक मात्र में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। कृषि में संतुलित उर्वरक उपयोग को प्रोत्साहित करने, कृषि लागत में कमी लाने, भूमि की उर्वरता शक्ति को सुरक्षित रखने, रासायनिक उर्वरकों के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों को बढ़ावा देने, उर्वरको के कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों में उपयोग को रोकने तथा कृषकों को गुणवत्ता युक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के सहकारी समितियों में गत वर्ष के पूर्ति के आधार पर 70 प्रतिशत यूरिया एवं 78 प्रतिशत डीएपी का भण्डारण कराया गया है एवं शेष मात्रा की आपूर्ति उर्वरक निर्माता कंपनियों द्वारा नियमित रुप से किया जा रहा है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं उचित मूल्य पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक निरीक्षकों द्वारा जिले के सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि उर्वरकों के भंडारण, वितरण या विक्रय में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कानूनी एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बचपन के मित्र वेद प्रकाश को श्रद्धांजलि देते हुए भावुक हुए कृषि मंत्री नेताम

रामानुजगंज। कृषि मंत्री राम विचार नेताम अपने बचपन के मित्र केसरवानी वैश्य सभा के नगर अध्यक्ष एवं शिक्षक रहे स्वर्गीय वेद प्रकाश केसरी के आकस्मिक निधन पर उनके निवास पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंत्री नेताम अपने मित्र को याद करते हुए भावुक हो गए। शोक संतप्त परिवार से मुलाकात के दौरान राम विचार नेताम ने कहा कि वेद प्रकाश केसरी केवल उनके मित्र ही नहीं, बल्कि बचपन की अनेक यादों के साथी थे। उन्होंने पुरानी यादों को साझा किया। विद्यालय जीवन का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि सभी साथियों ने मिलकर वेद प्रकाश केसरी को स्कूल का सांस्कृतिक सचिव बनाया था। उनकी सरलता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्री नेताम ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान नपा अध्यक्ष रमन अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

निधन

विष्णु प्रसाद चौधरी

डांड़गांव। डांड़गांव निवासी विष्णु प्रसाद चौधरी का 52 वर्ष की आयु निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को डांड़गांव स्थित मुक्ति धाम में किया गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनके अंतिम यात्रा में स्वजन सहित बड़ी संख्या में गांव के लोग शामिल हुए।

रात के समय नदारद रहते हैं चिकित्सक सहित स्टाफ

अव्यवस्था के बीच संचालित ग्राम पंचायत लांजित का स्वास्थ्य केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ ओड़गी

ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए शासन प्रशासन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है जहां ग्रामीण जांच के साथ उपचार करा सके। ग्रामीणों की सुविधा के लिए ग्राम पंचायत लांजित में स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था की गई है। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य केंद्र प्रबंधन की लापरवाही के कारण मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा के लाभ से वंचित है। दिन के समय स्वास्थ्य केंद्र खुला रहता है लेकिन शाम ढलते ही चिकित्सक सहित स्टाफ नदारद हो जाते है ऐसे में अस्पताल पहुंचने वाले मरीज ओड़गी अस्पताल जाने को मजबूर है। बीती रात भी प्रसव पीड़ा से तड़प नहीं प्रसूता को अस्पताल लाया गया लेकिन अस्पताल में कोई स्टाफ नहीं होने से घंटो इंतजार के बाद परिजन ओड़गी अस्पताल लेकर चले गए जहां प्रसूता ने स्वस्थ शिशु को जन्म दी

खास बात

- स्वास्थ्य केन्द्र का नहीं मिल रहा लाभ

ओड़गी के ग्राम पंचायत लांजित में ग्रामीणों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है जहां ग्राम पंचायत लांजित के अलावा बड़ी संख्या में आसपास गांव के लोग जांच व उपचार कराने आते है लेकिन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता। बीती रात भी स्वास्थ्य केन्द्र की एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी। प्रसव पीड़ा से कराह रही गर्भवती महिला को रात लगभग 10.30 से 11 बजे के बीच अस्पताल लाया गया, लेकिन अस्पताल के जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मी नदारद रहे। परिजन ने स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी को फोन करने और बार-बार अनुरोध के बावजूद संबंधित स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल नहीं पहुंचे। करीब एक घंटे तक गर्भवती महिला और उसके परिजन स्वास्थ्य केंद्र में सहायता की आस लगाए बैठे रहे, लेकिन उन्हें सिर्फ इंतजार और निराशा ही हाथ लगी। परिजन का आरोप है कि संबंधित नर्स ने फोन पर ही मरीज को ओड़गी ले जाने की सलाह दे दी, जबकि स्वयं अस्पताल पहुंचना जरूरी नहीं समझा।इधर हालात इतने बिगड़ गए कि सरपंच सहित गांव के लोगों और परिजन को रात में ही गर्भवती महिला को ओड़गी ले जाने की व्यवस्था करनी पड़ी। गनीमत था कि परिजन प्रसूता को समय रहते ओड़गी अस्पताल लेकर पहुंच गए जहां सुरक्षित प्रसव हो गया।

अस्पताल में प्रसूता के साथ परिजन।

रात में अस्पताल में नहीं रहते स्टाफ

ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अस्पताल के चिकित्सक सहित स्टाफ की लापरवाही के कारण एक गर्भवती महिला का प्रसव रास्ते में वाहन के भीतर हो चुका है। बावजूद इसके अस्पताल की व्यवस्था में कोई सुधार हुआ जो चिंता का विषय है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही चिकित्सक व स्टाफ अपने रूप चले जाते है ऐसे में रात के समय किसी प्रसूता की प्रसव पीड़ा बढ़ गई तो लांजित स्थित अस्पताल में उपचार के अभाव में ओड़गी अस्पताल ले जाना पड़ता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था कागजों तक सीमित

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है लेकिन जितना लाभ मिलना चाहिए उतना स्वास्थ्य केन्द्र का लाभ नहीं मिल रहा। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए स्वास्थ्य केन्द्र और वहां पदस्थ कर्मचारियों के नहीं होने से मरीजों की परेशानी काफी बढ़ जाती है। ऐसे प्रसव जैसी बुनियादी और जीवन रक्षक सेवा भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात होते ही स्वास्थ्य व्यवस्था कागजों तक सीमित रह जाती है और मरीजों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है।

जांच व कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत लांजित के सरपंच धरम सिंह आयम ने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषी कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई तथा स्वास्थ्य केन्द्र में 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

जारी किया गया है नोटिस

रात के समय चिकित्सक व स्टाफ के अस्पताल में मौजूद नहीं रहने की शिकायत मिली थी। मौके का निरीक्षण करने पर मामला सही पाया गया। ड्यूटी में तैनात स्टाफ को नोटिस जारी किया गया है।

-**विजय कुमार चौहान**, बीएमओ ओड़गी

कोल इंडिया के अधिकारी संगठन सीएमओएआई के चुनाव पर लगी रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

कोल इंडिया अधिकारियों के संगठन सीएमओएआई में चुनाव को संगठन के शीर्ष निकाय सीएमओएआई एपेक्स ने एसईसीएल शाखा के प्रस्तावित चुनाव पर फिलहाल रोक लगाने के संकेत दिए हैं तथा जांच रिपोर्ट आने तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश जारी किए हैं। सीएमओएआई एपेक्स के महासचिव सर्वेश सिंह द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि बिश्रामपुर उपशाखा के सचिव अमरेंद्र नारायण द्वारा संगठन के फंड के कथित दुरुपयोग को लेकर उठाए गए सवालों की जांच पूरी होने और रिपोर्ट अंतिम रूप से प्रस्तुत होने तक एसईसीएल शाखा के चुनाव संबंधी किसी भी प्रक्रिया में जल्दबाजी नहीं की जानी चाहिए।

- फंड दुरुपयोग होने की जांच पूरी होने तक यथास्थिति बनाए रखने के जारी हुए निर्देश

जानकारी के अनुसार बिश्रामपुर उपशाखा की ओर से संगठन के वित्तीय लेन-देन और फंड के उपयोग को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। इस संबंध में भेजे गए शिकायत पत्र के आधार पर एपेक्स नेतृत्व ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हस्तक्षेप किया है। अब जांच रिपोर्ट आने तक चुनाव प्रक्रिया को लेकर संगठन के भीतर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। एपेक्स महासचिव ने अपने पत्र में सीएमओएआई के संविधान की धारा 7, उपधारा 7.1 (बी) का उल्लेख करते हुए कहा है कि शाखा के चुनाव कार्यक्रम तय करने का अधिकार केवल सीईसी एपेक्स को है, जबकि उपशाखाओं के चुनाव का निर्णय संबंधित शाखा द्वारा लिया जाता है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा शाखा चुनाव या नई कार्यकारिणी गठन से जुड़ा कोई निर्णय लिया जाता है तो उसे संगठन के संविधान के अनुरूप वैध नहीं माना जाएगा और वह शून्य एवं निरस्त समझा जाएगा। एपेक्स के इस निर्देश के बाद एसईसीएल अधिकारियों के संगठन में चुनावी गतिविधियों को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में जांच रिपोर्ट और उसके निष्कर्ष संगठन की भविष्य की रणनीति तथा नेतृत्व चयन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। पत्र के अंत में महासचिव सर्वेश सिंह ने एसईसीएल शाखा के अध्यक्ष एवं महासचिव को संगठन के संविधान और नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा जांच पूरी होने तक आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

बलरामपुर। आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक के पश्चात जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में मांग व शिकायत के संबंध में आवेदन प्राप्त हुए जिसमें आमजनों द्वारा विभिन्न विषयों संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये गए। प्राप्त आवेदनों का कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए।

रामानुजगंज में 14.91 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन, 113 हितग्राहियों को मिला आवास कार्यादेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

सुशासन तिहार के अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा लगभग 14 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन लरंग साय कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के 113 हितग्राहियों को कार्यादेश वितरित किए गए। प्रत्येक आवास के लिए 2 लाख 82 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री रामविचार नेताम ने कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में अधोसंरचना एवं जन सुविधाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत कनहर नदी में मिलने वाले गंदे पानी के उपचार एवं निकासी के लिए 4 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण हेतु 2 करोड़ 41 लाख रुपये, वार्ड 1 से 15 तक विभिन्न स्थानों पर आरसीसी नाली निर्माण हेतु 1 करोड़ 78 लाख रुपये तथा सीसी रोड निर्माण हेतु 1 करोड़ 15 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही नगर में पाइपलाइन विस्तार, पेवर ब्लॉक निर्माण, अटल स्मृति तालाब, डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति तालाब, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र, सामुदायिक भवन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, छठ घाट, मुक्तिधाम अहाता, सांस्कृतिक भवन तथा विभिन्न स्थलों के सौंदर्यीकरण सहित कई विकास कार्य कराए जाएंगे। मंत्री रामविचार नेताम ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने ठेकेदारों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि कार्य वही एजेंसियां लें जो उसे निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कर सकें।उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की समय-समय पर जांच की जाएगी और गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों से जैविक खेती को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां बढ़ रही हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जैविक खाद से उत्पादित सब्जियां एवं कृषि उत्पाद अधिक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं, जिससे मानव स्वास्थ्य के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता भी सुरक्षित रहती है। कलेक्टर संजय चंदन त्रिपाठी ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने बताया कि प्राप्त 66 आवेदनों में से 63 का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने तथा ठोस एवं तरल अपशिष्टों के उचित निस्तारण में सहयोग करने की बात कही। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि मंत्री रामविचार नेताम के प्रयासों से रामानुजगंज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने लगभग 29 करोड़ 50 लाख रुपये की प्रस्तावित पेयजल परियोजना को शीघ्र मंजूरी प्रदान करने की मांग की। इसके अलावा रामानुजगंज अस्पताल में डायलिसिस यूनिट एवं ब्लड बैंक की स्थापना तथा रिंग रोड निर्माण के लिए भूमि देने वाले 62 प्रभावित लोगों को लंबित मुआवजा राशि का भुगतान कराने की मांग भी मंत्री के समक्ष रखी। कार्यक्रम में जिला पंचायत की पूर्व उपाध्यक्ष पुष्पा नेताम, शीला जायसवाल सहित सभी पार्षद एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसानों को समय पर मिल रहा खाद-बीज

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खरीफ सीजन की तैयारियों को गति देते हुए किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी सहकारी समितियों में खाद एवं बीज वितरण का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक सामग्री सहजता से उपलब्ध हो सके, इसके लिए प्रशासन द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं कृषि तथा सहकारिता विभाग के समन्वित प्रयासों से आज शंकरगढ़ अनुभाग की जमड़ी, जोकपाठ एवं कोदवा समितियों में किसानों को खाद एवं बीज का वितरण शुरू किया गया। वितरण प्रारंभ होने से क्षेत्र के किसानों में उत्साह है। समितियों में किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत उर्वरक एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा वितरण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा आवश्यकतानुसार कृषि आदान सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रामबिरुज एक्का आ. बिटू राम एक्का, निवासी ग्राम खैरबार, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ.ग. मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरा वास्तविक नाम रामबिरुज एक्का पिता बिटू राम एक्का है, जो कि मेरे निर्वाचन कार्ड, पट्टा इत्यादि में यही नाम दर्ज है। मेरा आधार कार्ड नम्बर 6476 0841 7161 है। में मेरा नाम त्रुटिवश रामवृक्ष एक्का पिता के स्थान पर रामबिरुज एक्का दर्ज किया गया है। मेरे द्वारा प्रस्तुत समस्त जानकारी सत्य है यदि उक्त जानकारी गलत पाया जाता है तो उसका स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मैं उक्त जानकारी अपने इस शपथ पत्र के द्वारा राजपत्र (गजट) में प्रकाशित कराने के संबंध में प्रस्तुत है।

जिस हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूं।

भवदीय
रामबिरुज एक्का
आ. बिटू राम एक्का
निवासी- ग्राम खैरबार, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ.ग.

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./....../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा आ. वेद प्रकाश, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ.ग. के द्वारा शीट नम्बर-13 मोहल्ला-नमनाकला, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 243/32 रकबा 0.07 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 12.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 26/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूज अधिकारी
अम्बिकापुर

रामनगर बांध समीप युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बिश्रामपुर। ग्राम रामनगर अडरापारा निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है,बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत रामनगर अडरापारा निवासी 24 वर्षीय बलीन्दर श्याम पिता स्व धनेश्वर श्याम गोड़ ने रामनगर बांध के पास एक पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है,बताया गया कि करीब 1 वर्ष पूर्व बाइक से गिरने जाने से उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी, जिसका ईलाज कराने जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए थे,1 जून की शाम बकरी चराकर वापस लौटकर बकरी को बांध कर शाम को घर से युवक बलिन्दर निकल गया था जो मंगलवार की सुबह युवक का शव रामनगर बांध के पास फांसी पर लटका देखा गया है। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

सरगुजा मार्केट

रायपुर के सुप्रसिद्ध मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ
डॉ.आशु जैन
MBBS, M.S., M.ch Neurologist
दिनांक 07 जून, दिन रविवार
एसआरएस हॉस्पिटल
सीटी हॉस्पिटल नमनाकला, अम्बिकापुर
गायत्री हॉस्पिटल
• सिर, कमर, हाथ, पैर में दर्द, • सिर की चोट (हेड इन्जुरी) • रीढ़ की हड्डी की चोट • ब्रेन ट्यूमर, स्पाईनल ट्यूमर • बच्चों में बड़ा सिर (हाइड्रोसिफेल • पीठ में फोड़ा (मैनिनगोसील) • माइक्रो एण्डोस्कोपी • लकवा, सियाटिका • स्लिप डिस्क आदि का ईलाज

गुप्त रोग का 100% शर्तिया ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन, सिपलिस गनौरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया ईलाज किया जाता है।
लिंग वर्धक यंत्र भी उपलब्ध
बिना आपरेशन के अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गारंटी के साथ आयुर्वेदिक दवा द्वारा ईलाज
25 साल से स्थायी
संपर्क - विश्वास औषधालय
बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास अम्बिकापुर- मोबा. 7898942870
समय- सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

डॉ विकास अग्रवाल
Laparoscopic and Organ Preserving Surgeries
दिनांक - 06 जून 2026, शनिवार, समय - सुबह 9 बजे से 12 बजे तक
डॉ भाविक शाह
पेट और आंत रोग विशेषज्ञ
हर महीने के (चौथा रविवार)
डॉ संजय अग्रवाल
पेट और आंत रोग विशेषज्ञ
हर महीने के (दूसरा रविवार)
डॉ अमित मुखर्जी
स्पाइन और ब्रेन सर्जरी
हर महीने के चौथे रविवार
डॉ.फिरदौसी हॉस्पिटल
MULTI SPECIALITY SURGICAL HOSPITAL
खरसिया नाका, अम्बिकापुर (जिला-सरगुजा)
7869900888 (O.P.D.) 8225888500 (Hospital), 7240802000

आप परेशान क्यों हैं?
वारसी शिफा
खाना रूहानी जड़ी-बूटी द्वारा ईलाज
अगर दवा काम नहीं करती तो आज ही मिलिए हकीमुल्क जनाब वारसी साहब के साहबजादे से अपने वालिद से 35 वर्षों का अनुभव प्राप्त कर कई सालों से सेवा देते आ रहे है अनेक बे औलादों को औलाद प्राप्त हुई किसी भी साया का बुरा असर भुत-प्रेत, पति-पत्नी के झगड़े, मोहब्बत, दिमागी परेशानी, कारोबार में बरकत के लिए, गर्भ न ठहरना, नामर्दगी, रूहानी एवं जड़ी-बूटी द्वारा
बीमारीयों से छुटकारा पाने के लिए मिलिए।
परामर्श शुल्क मात्र 500 रु.
मिलने का समयः- दोपहर 02 बजे से रात्रि 8 बजे तक
पता - वारसी मंजिल, महामाया प्रवेश द्वार, शहीद अब्दुल हमीद चौक वारसी नगर रिंग रोड अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)
मो. 9753266386

TOP IN SURGUJA

गायत्री हॉस्पिटल
MULTISPECIALITY HOSPITAL CREATING HEALTHY TOMORROW
बनारस रोड, पी.जी. कॉलेज मैदान के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
9424250281 | 8120906000 | 8120809000
CGHS से मान्यता प्राप्त
हमारी सेवाएं: गर्भावस्था की सम्पूर्ण देखभाल, सुरक्षित प्रसव सुविधा, बांझपन परामर्श एवं उपचार, पीसीओडी/पीसीओएस उपचार, महिला रोगों की जांच व इलाज, सोनोग्राफी एवं आधुनिक सुविधाएं, डिलीवरी (नार्मल एवं सिजेरियन)
समय :- सुबह 11:00 बजे से शाम 05 बजे तक
अब महिलाओं की हर समस्या का सम्पूर्ण समाधान !
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध
DR. SONAL DUBEY MBBS, MS (OBSTETRICS & GYNAECOLOGY) LAPAROSCOPIC SURGEON

डॉ. प्राची MULTI SPECIALITY HOSPITAL
सोनोग्राफी की तत्काल सुविधा उपलब्ध
हड्डी की सर्जरी आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध हैं
डॉ. प्राची जायसवाल M.B.B.S., D.G.O., FMAS
कार्मेल कॉन्वेन्ट स्कूल के सामने, सतपत्ता, बिश्रामपुर 76106 06524, 7974491055

प्रसिद्ध मनोरोग, नशा मुक्ति व सेक्सोलॉजिस्ट विशेषज्ञ
आपके शहर अंबिकापुर में उपलब्ध
डॉ. निशांत कुमार साहू
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मनोरोग) मद्रास मेडिकल कॉलेज (चेन्नई)
मनोरोग, नशामुक्ति व सेक्सोलॉजिस्ट विशेषज्ञ
उपलब्ध उपचार — माह के प्रथम रविवार 07 जून को अंबिकापुर में उपलब्ध
उदासी, चिन्ता, घबराहट, डर, चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निंद की कमी, उन्माद, आत्महत्या के विचार, पागलपन, अजीब अभास या सोच, शक करना, किसी काम में मन न लगना, सिरदर्द, असामान्य दर्द, मिर्गी या झटका, बच्चों में चंचलता, बच्चों एवं बुजुर्गों में याददास्त की कमी, मंदबुद्धि, सेक्स समस्या, शराब एवं अन्य नशें की लत।
एस.आर.एस. हॉस्पिटल, जिला हॉस्पिटल रोड, अंबिकापुर 7987779819, 7880289133

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग • मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड • अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

खबर संक्षेप

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को गति देने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ली समीक्षा बैठक

अम्बिकापुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित विशेष अभियान की समीक्षा करते हुए 8 जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में गंभीर कुपोषित एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की स्थिति, पोषण पुनर्वास तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर, सूरजपुर, जशपुर, बलरामपुर और सरगुजा जिलों में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान संचालित किया जा रहा है। इन जिलों में कुपोषण की चुनौती को दूर करने के लिए विशेष रणनीति के तहत पोषण सेवाओं, सामुदायिक सहभागिता और सतत निगरानी पर जोर दिया जा रहा है। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, वहां केला, पपीता, मुनगा सहित अन्य पोषण युक्त पौधों का रोपण किया जाए तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण वाटिका विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य सामग्री बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार लाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। उन्होंने अतिरिक्त पोषण आहार की उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण आंगनबाड़ी संचालन, नियमित निरीक्षण और सुपोषण पाठशालाओं के प्रभावी संचालन पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि बच्चों को समय पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए।

अलग-अलग मामलों में पस्ता पुलिस ने 10 आरोपियों से जब्त किया 23 मवेशी

राजपुर। पशु तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में पस्ता पुलिस ने दस पशु तस्करों को गिरफ्तार करने के साथ ही 23 मवेशियों को मुक्त कराया है। जंगल के रास्ते पैदल मवेशियों की तस्करी रूकने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद तस्कर जंगल के रास्ते अमानवीय तरीके से मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं। मुखबीर की सूचना पर पस्ता पुलिस ने सेमरसोत अभ्यारण्य क्षेत्र में घेराबंदी कर घेराबंदी कर 6 आरोपियों को पकड़ा है। आरोपी 12 बैलों को जंगल के रास्ते पैदल अमानवीय तरीके से झारखण्ड ले जा रहे थे। मामले में पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 12 बैलों को जब्त कर पशु चिकित्सकों से उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया। दूसरे मामले में मंडी बैरियर के पास सड़क से गुजर रहे एक संदेहास्पद पिकअप को रोककर पुलिस ने जांच की उसमें 11 मवेशी मिले जिन्हें पिकअप में ठूंसकर झारखण्ड ले जाया जा रहा था। पुलिस ने पिकअप को रोककर जांच की तो वाहन में 11 पड़िया मिली। पूछताछ में आरोपियों ने मवेशियों को झारखण्ड बूचड़खाना ले जाने की बात स्वीकार की है। मामले में पुलिस ने छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिक्षण अधिनियम की धारा 4,6, 10, पशुक्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत गिफ्तार कर न्यायायिक रिमाण्ड में भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपियों में ग्राम महाराजगंज निवासी रतिया पिता सोमा, घासी कोड़ाकू पिता विफता कोड़ाकू, भेदमी निवासी मटूराम पिता रामकुमार, महाराजगंज निवासी विकेश सोनवानी पिता कोंदा सोनवानी, इदरीकला निवासी समहरता पिता चदना, महाराजगंज निवासी अंजोर पल्हे पिता राम सकल, रंगनाथ सिंह, रमेश यादव, जवाहर यादव एवं लालजी यादव शामिल है।

4 को होगी प्री डीएलएड की प्रवेश परीक्षा

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापमं) द्वारा आगामी 04 जून 2026 को प्री. डीएलएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। है। यह परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिले में परीक्षा कुल 36 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी तथा परीक्षा में कुल 11,841 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

लोगों की बढ़ी परेशानी, सात माह बाद भी नहीं हुई क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत

सड़क निर्माण के बाद पेयजल के लिए तरस रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मानीचौक

ग्राम पंचायत सलका के रजवारी पारा के लोगों की समस्या कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राम पंचायत के लोग पहले जहां जर्जर सड़क की समस्या से जूझ रहे थे और जब सड़क की समस्या दूर हुई तो अब पेयजल की समस्या से जूझ रहे है। हैरानी की बात तो यह है कि सात माह पूर्व पक्की सड़क निर्माण किया गया था। इस दौरान नल जल मिशन योजना के तहत बिछाई गई पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त हो जाने के बावजूद आज तक मरम्मत नहीं हो सकी। ऐसे में इस भीषण गर्मी में रजवारीपारा के लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है।

खास बात

- सड़क निर्माण के दौरान हुआ था क्षतिग्रस्त, लोगों को नहीं मिल रहा जल जीवन मिशन का लाभ

ग्राम पंचायत सलका के रजवारी पारा में जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई नल-जल पाइपलाइन सड़क निर्माण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले लगभग सात महीनों से ग्रामीणों के घरों तक पानी की आपूर्ति बंद है जिससे लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत सलका में जल जीवन मिशन के तहत सड़क किनारे पाइपलाइन का विस्तार कर ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा था। इससे मोहल्लेवासियों को नियमित रूप से नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध हो रहा था। लेकिन लगभग सात माह पूर्व सलका के रजवारी पारा से रेड नदी तक लोक निर्माण विभाग द्वारा पक्की सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन और कई घर के नल कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके बाद से जलापूर्ति पूरी तरह ठप पड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के समय पाइपलाइन टूटने के बाद आज तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप जल जीवन मिशन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। मोहल्ले के सैकड़ों परिवार पेयजल संकट से जूझ रहे हैं और पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकने को मजबूर हैं।

अनुपयोगी पड़ा पानी टंकी।

गिनती के है हैंडपंप

ग्रामीणों ने बताया कि सलका के रजवारी पारा में सीमित संख्या में हैंडपंप उपलब्ध हैं, जबकि आबादी काफी अधिक है। ऐसे में हैंडपंपों में पानी भरने के लिए सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें लग जाती हैं। हैंडपंप के पानी का केवल पेयजल के लिए करते है जबकि स्नान करने, कपड़े धोने तथा मवेशियों को पानी पिलाने के लिए ग्रामीणों को एकमात्र तालाब पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

पाइप लाइन मरम्मत की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की शीघ्र मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल की जाए, ताकि जल जीवन मिशन का वास्तविक लाभ लोगों को मिल सके और उन्हें पेयजल संकट से राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और पंचायत प्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ऐसे जलापूर्ति बंद रहने से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नहीं मिली है सूचना

ग्राम पंचायत सलका के रजवारीपारा में सड़क निर्माण के दौरान पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हुए है इसकी जानकारी नहीं है। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा आज तक इस संबंध में सूचना नहीं दिया गया है। पेयजल सप्लाई बंद है तो तत्काल जांच कराकर सुधार कराता हूं।

-अमित राय
इंजीनियर पीएचई

ग्रामीणों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में जहां नदी-नाला, तालाब व कुआं सूखने के कगार पर है। ऐसे में नल जल मिशन योजना के तहत घरों में लगाए गए नल कनेक्शन अब पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाने से शो पीस बन कर रह गई है। ग्राम पंचायत में पेयजल की समस्या पिछले सात माह से बनी हुई है लेकिन आज तक किसी ने समस्या के निराकरण के लिए कोई पहल नहीं किया जिससे ग्राम पंचायत के लोग हैंडपंप व कुआं के भरोसे है।

हैण्डपंप से निकल रहा लाल पानी पानी के लिए चक्कर लगा रहे ग्रामीण

रामचन्द्रपुर। ग्राम पंचायत कालिकापुर के विभिन्न वार्डों में हैण्डपंप से लाल पानी निकलने के कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए भारी संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को लम्बी दूरी तय कर दूसरे वार्डों से पीने का पानी लाना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत के विभिन्न टोलापारा में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए शासन द्वारा जलजीवन मिशन के तहत एक साल पूर्व ही पानी टंकी का निर्माण करने के साथ ही पूरे गांव में पाइपलाइन का विस्तार किया गया है लेकिन एक साल का लम्बा समय गुजरने के बावजूद अभी तक पानी की आपूर्ति प्रारंभ नहीं की गई है। ग्राम पंचायत कालिकापुर के स्कूलपारा, पवरियाटोला, मुस्लिम टोला एवं पटेलपारा में कहीं हैण्डपंप हवा उगल रहे हैं तो कहीं लाल पानी निकल रहा है। स्कूलपारा स्थित दोनों हैण्डपंप से लाल पानी निकलने के कारण लोगों को पेयजल के लिए लम्बी दूरी तय करनी पड़ रही है। स्कूलपारा में संचालित स्वास्थ्य केंद्र का सबमर्सिबल पंप चोरी होने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। यही हाल पवरिया टोला के हैण्डपंप का है। हैण्डपंप से लाल पानी निकलने के कारण ग्रामीण कुएं का पानी पी रहे है। इस संबंध में पंच शाहिद अंसारी ने बताया कि हैण्डपंप से लाल पानी निकलने के कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में सरपंच वाहिद अंसारी ने बताया कि स्थिति से पीएचई के अधिकारियों को अवगत कराया गया है। जल्द ही सुधार कार्य कराया जाएगा।

पानी के लिए परेशान परसा के ग्रामीण, महीनों से नल-जल योजना बंद

बिहारपुर। विकासखण्ड ओड़गी के दूरस्थ चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करौटी ए के आश्रित ग्राम परसा के ग्रामीण भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गांव में स्थापित सोलर नल-जल योजना पिछले कई महीनों से बंद पड़ी है। लगातार शिकायतों के बावजूद विभाग इसे सुधारने की पहल नहीं की है। हालत यह है कि ग्रामीणों को पानी के लिए 2-3 किमी दूरी का चक्कर लगाना पड़ रहा है। सुबह होते ही गांव की महिलाएं पानी की तलाश में निकल जाती हैं। कई परिवारों को दिनभर की जरूरत के लिए नदी-नालों और छोटे स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पीने के पानी की ही व्यवस्था नहीं है, तो निस्तारी और अन्य दैनिक कार्यों की स्थिति का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। आदिवासी बाहुल्य ग्राम परसा के अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। दूषित पानी पीने से ग्रामीणों में बीमारियों का खतरा सता रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी केवल आश्वासन देकर मामले को टालते रहे है। नल-जल योजना शुरू होने से लोगों को आसानी से शुद्ध पानी मिल रहा था। इस संबंध में सरपंच गजमोचन सिंह ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं क्रेडा के अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी गई। फोन द्वारा भी स्थिति से अवगत कराया गया लेकिन अब तक तकनीकी टीम तक गांव नहीं पहुंची है।

मदननगर की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

ग्राम मदननगर की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से सुलग रहा ग्रामीणों का आक्रोश मंगलवार को प्रतापपुर थाना परिसर के सामने खुलकर सामने आ गया। ग्राम सभा की सहमति और प्रस्ताव के बिना एसईसीएल के नाम पर जमीन नामांतरण किए जाने के आरोपों से नाराज ग्रामीणों ने प्रतापपुर थाना का घेराव कर प्रशासन और एसईसीएल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही दोषी अधिकारी-कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

- एसईसीएल और प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा, किया थाने का घेराव

ग्रामीणों का आरोप है कि मदननगर और आसपास के क्षेत्र की आदिवासी भूमि को ग्राम सभा की पूर्व स्वीकृति के बिना अधिग्रहित करने की प्रक्रिया चलाई गई है, जो संविधान की पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून और भूमि अधिग्रहण संबंधी नियमों का खुला उल्लंघन है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी पैतृक भूमि केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि उनकी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। इसी भूमि पर उनके सरना स्थल, देवस्थान और पूर्वजों की स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारियों और राजस्व अमले द्वारा उनकी जानकारी और सहमति के बिना जमीन का नामांतरण एसईसीएल के नाम पर कर दिया गया। इसके विरोध में ग्रामीणों ने पहले भी कई बार ज्ञापन और शिकायत दी थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिस पर दोषी अधिकारी कर्मचारियों पर सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। थाना परिसर के बाहर स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए। पुलिस ने एहतियातन थाना के मुख्य द्वार को बंद कर दिया। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे और धरने पर बैठ गए। युवा आदिवासी नेता एवं जिपं सदस्य सुरेश आयाम ने कहा कि यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं बल्कि आदिवासी अस्तित्व, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग है कि भूमि नामांतरण और अधिग्रहण प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायत पर अपराध दर्ज नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन करेंगे। इस दौरा मदननगर के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

समाज के विकास के लिए सभी को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आना होगा : चक्रवर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनपुर

विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम रजपुरीकला में कुम्हार समाज का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में जिले के सभी विकास खंडों से 200 से अधिक समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती, समाज के उत्थान तथा भविष्य की कार्ययोजना को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

- कुम्हार समाज की पहचान उसकी मेहनत, परंपरा और कला

सम्मेलन के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज के एक वरिष्ठ कुम्हार द्वारा उन्हें पारंपरिक मिट्टी का बर्तन सप्रेम भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज की सांस्कृतिक विरासत और माटी कला के प्रति सम्मान का प्रतीक रहा। सम्मेलन की विशेष उपलब्धि यह रही कि जिले में समाज के सभी संगठनों एवं पदाधिकारियों ने माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती की उपस्थिति में अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ के बैनर तले एकजुट होकर कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी सामाजिक लोगों को एक सूत्र में बंधकर समाजहित में कार्य करना चाहिए, जिससे समाज की आवाज और अधिक प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंच सके। माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती ने कहा कि कुम्हार समाज की पहचान उसकी मेहनत, परंपरा और कला से है। उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षा, संगठन और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आना होगा तथा नई पीढ़ी को समाज की संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना होगा। जिला अध्यक्ष शंकर प्रजापति ने सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि संगठित समाज ही अपने अधिकारों और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। इस दौरान शोभनाथ प्रजापति, प्रताप प्रजापति, सुहांग प्रजापति, फागुन प्रजापति, दशरथ प्रजापति, ठाकुर राम प्रजापति, समेलाल प्रजापति, सिद्धार्थ प्रजापति, घासीराम प्रजापति, बलजीत प्रजापति, दिगेन्द्र पांडे, जयशंकर पांडे, संजय प्रजापति, गुरु प्रजापति, जगदम्बा प्रजापति, मुरली प्रजापति, उमेश प्रजापति, दुमेश्वर प्रजापति, विजेन्द्र प्रजापति सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला सचिव शिवनाथ प्रजापति एवं परमेश्वर प्रजापति ने किया।

मांड नदी के तट पर होगा मुक्तिधाम का निर्माण, विधायक ने किया स्थल निरीक्षण

सीतापुर। नगर में वर्षों से मांड नदी के किनारे प्रस्तावित मुक्तिधाम निर्माण को लेकर विधायक रामकुमार टोप्पो स्थल निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि काफी लंबे समय से एक सुविधायुक्त मुक्तिधाम की जरूरत महसूस की जा रही थी। इस संबंध में साहू समाज एवं नगर वासियों ने कई बार अवगत कराते हुए इस संबंध में चर्चा की थी। लोगों का कहना था कि ज्यादातर लोग अंतिम संस्कार केसला मांड नदी के तट पर करते है। जहां बारिश के दिनों में दाह संस्कार में काफी दिक्कत होती है। अंतिम संस्कार के लिए सुविधायुक्त मुक्तिधाम का होना बेहद आवश्यक है। विधायक ने निरीक्षण के दौरान आश्वस्त करते हुए कहा कि इसके लिए हरसंभव मदद करूंगा ताकि मांड नदी के तट पर एक सर्वसुविधायुक्त मुक्तिधाम का निर्माण हो सके। इस दौरान साहू समाज के अध्यक्ष सदानंद गुप्ता, अंजनी शाह, सुनील गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, रूपेश आर्य गुप्ता, संदीप गुप्ता, मनोज गुप्ता, दिनेश गुप्ता, बंटी गुप्ता, पार्षद नीरू मिस्त्री, संगीता कंसारी, विष्णु अग्रवाल, पार्षद भवानी सिंह, विकास एक्का, राजेश कंदरा, किशन उपाध्याय, संकेत गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736

एमएस सिंहदेव अंडर-16 पिंक-बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में सीडब्ल्यूआरडी और सरगुजा रेस्ट की टीम फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सोमवार को एमएस सिंह देव अंडर-16 पिंक-बॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैचों में युवा खिलाड़ियों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। सीडब्ल्यूडी और सरगुजा रेस्ट की टीम नें सेमी फाइनल का मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

पहले सेमीफाइनल में रेस्ट ऑफ सरगुजा ने निर्धारित 20 ओवर में 112 रन बनाए। नविन ठाकुर ने 41 रन बनाए और स्वास्तिक केशरी ने 34 रनों की उपयोगी पारी खेली। सरगुजा रॉयल की ओर से युग गोयल ने 2 विकेट लिए लेकिन रिटर्न गेंदबाज़ी में वेदांता गुप्ता ने टीम संभाली और 3 विकेट लेकर विरोधी टीम को दबाव में डाल दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल मात्र 104 रन पर ऑल-आउट हो गई। गगन बोस ने 33 रन बनाकर कोशिश की लेकिन टीम फाइनल से बाहर रही। वेदांता गुप्ता को उनकी निर्णायक गेंदबाजी के लिए मैन-ऑफ-द-मैच चुना गया। दूसरे सेमीफाइनल में विनायकम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सिर्फ 77 रन ही बनाए। नैतिक चौधरी ने संघर्षपूर्ण 40 रन बनाकर टीम का बड़ा योगदान दिया। सीडब्ल्यूडी के गेंदबाज रूद्र प्रताप सिंह ने विनायकम पर जबरदस्त दबाव बनाते हुए 3 विकेट लिए। रनों के पीछा में सीडब्ल्यूडी ने 12वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। रूद्र प्रताप सिंह ने 14 रन बनाकर और 3 विकेट लेकर मैन-ऑफ-द-मैच का पुरस्कार जीता। संघ के सचिव विनीत जायसवाल ने कहा कि यह आयोजन युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में खेलने का शानदार अवसर दे रहा है और खिलाड़ियों ने दबाव में खेलना सीख लिया है।

ट्रेड यूनियन फेडरेशनों का पंजीकरण अनिवार्य बिना पंजीकरण नहीं मिलेगी मान्यता

पंजीकृत ट्रेड यूनियन फेडरेशन ही कम्पनी की औद्योगिक संबंध व्यवस्था का हिस्सा बन सकेंगे

बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड की ट्रेड यूनियन व्यवस्था में जल्द ही एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। औद्योगिक संबंध संहिता आईआर कोड 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही सीआईएल स्तर पर कार्यरत सभी ट्रेड यूनियन फेडरेशनों के लिए औपचारिक पंजीकरण अनिवार्य होने जा रहा है। इसका सीधा असर यूनियनों की मान्यता, श्रमिक प्रतिनिधित्व और वेतन वार्ताओं तक पड़ सकता है।

सीआईएल प्रबंधन द्वारा 5 जून को आयोजित होने वाली एपेक्स जेसीसी बैठक के लिए तैयार प्रस्तुतीकरण दस्तावेज में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। दस्तावेज में आईआर कोड 2020 की विभिन्न धाराओं का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में केवल पंजीकृत ट्रेड यूनियन फेडरेशन ही कंपनी की औद्योगिक संबंध व्यवस्था का हिस्सा बन सकेंगे। ज्ञात हो कि आईआर कोड 2020 की धारा 14(1) के अनुसार किसी भी औद्योगिक प्रतिष्ठान में नियोक्ता के साथ औपचारिक वार्ता का अधिकार केवल मान्यता प्राप्त वार्ताकारी संघ अथवा वार्ताकारी परिषद को होगा। यह मान्यता केवल पंजीकृत ट्रेड यूनियनों के आधार पर ही दी जाएगी। यही नहीं कोड की धारा में दो या दो से अधिक ट्रेड यूनियनों के महासंघ यानी फेडरेशन को भी ट्रेड यूनियन की श्रेणी में शामिल किया गया है जिससे अब केवल लंबे समय से सक्रिय होने भर से किसी संगठन को मान्यता नहीं मिलेगी, बल्कि कानूनी रूप से पंजीकृत होना भी आवश्यक होगा। वर्तमान में सीआईएल में पांच प्रमुख केंद्रीय फेडरेशन सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं जिसमें बीएमएस, एटक, एचएमएस, सीटू, इंटक हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से किसी भी केंद्रीय फेडरेशन का अभी तक औपचारिक पंजीकरण नहीं हुआ है। ऐसे में नए नियम लागू होने के बाद इन सभी संगठनों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। ऐसे में पंजीकरण अब केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि यूनियनों के अस्तित्व और प्रभाव से जुड़ा मुद्दा बन सकता है। वर्तमान व्यवस्था में विभिन्न केंद्रीय समितियों और बोर्डों में प्रतिनिधियों का नामांकन फेडरेशन स्तर से किया जाता है। इनमें जेबीसीसीआई, मानकीकरण समिति, एपेक्स, जेसीसी, सीआईएल वेलफेयर बोर्ड, सीआईएल सेफ्टी बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण मंच शामिल हैं।प्रस्तुतीकरण दस्तावेज सामने आने के बाद कोयला उद्योग के श्रमिक संगठनों में हलचल तेज हो गई है। विभिन्न यूनियनें अब कानूनी पहलुओं का अध्ययन कर रही हैं और नए नियमों के अनुरूप अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई हैं।